प्रकाशनार्थ **24.03.23021**

विषय : कानपुर दिवस समारोह

कानपुर 24 मार्च 2021 आज मर्चेन्ट चेम्बर आफ कानपुर तथा कानपुर पंचायत साहित्य, इतिहास, पर्यटन, संस्कृति एवं संस्कार हेतु समर्पित संगठन के संयुक्त तत्वावधान में कानपुर का 218वां स्थापना दिवस सम्पन्न हुआ।
ज्ञातव्य है कि 24 मार्च 1803 को ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा कानपुर को जिला घोषित किया गया था। तदानुसार हम सब 24 मार्च को कानपुर का स्थापना दिवस मानते हैं। प्राप्त साक्ष्यों के अनुसार सन 1217 में राजा कान्हदेव सिंह द्वारा कान्हपुर की स्थापना की गयी थी जो कालान्तर में कानपुर कहलाया।

इस अवसर पर समारोह के वरेण्य अतिथि श्रीमती प्रमिला पाण्डेय महापौर कानपुर, श्री सलिल विश्नोई सदस्य विधान परिषद उ0प्र0, श्री सुरेन्द्र मैथानी विधायक गोविन्द नगर, सी0ए0 मुकुल टण्डन अध्यक्ष मर्चेन्ट चेम्बर, श्री अतुल कनोडिया उपाध्यक्ष मर्चेन्ट चेम्बर, श्री धर्म प्रकाश गुप्त संयोजक कानपुर पंचायत, श्री सुदीप गोयनका सहसंयोजक कानपुर पंचायत मंचासीन हुये ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन से हुआ तदोपरान्त मर्चेन्ट चेम्बर के अध्यक्ष श्री सीए मुकुल टण्डन जी ने सभी अभ्यागतों का स्वागत किया।

इस अवसर पर चेम्बर के अध्यक्ष श्री मुकुल टंडन ने कहा कि कानपुर की जिले के रूप में स्थापना 24 मार्च, 1803 को की गयी थी। हम सभी जानते है कि कानपुर को पूर्व में मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट कहा जाता था परन्तु आज यह शब्द कही खो गया है क्योकि "कानपुर- कल, आज और कल" विभिन्नता से तथा तुलनात्मक अध्ययन से भरा हुआ है। कानपुर महानगर के लिए उसके खोये हुए "मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट" के अस्तित्व को पुनः प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहना होगा। कानपुर का सदैव से ही धार्मिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, चिकित्सकीय, सांस्कृतिक, खेल-कूद आदि में विशिष्ट स्थान रहा है। कानपुर में स्थित अधिकांशतः स्थान जैसे ब्रह्मावर्त, खेरेश्वर, मूसानगर, बनीपारा, जाजमऊ आदि का धार्मिक द्रष्टि से अपनी अलग पहचान है। जब-जब कानपुर के गौरवशाली इतिहास एवं आद्योगिक क्रांन्ति की बात होती है तो इसमें जुग्गीलाल कमलापत, जयपुरिया, इंजीनियरिंग क्षेत्र के दिग्गज नाम प्रगतिशीलता की और प्रांरभ से ही अगसर रहे है जो कानपुर के विकास में निरन्तर अविस्मरणीय योगदान समय-समय पर देते रहते है। कानपुर के इतिहास की विकासशील यात्रा में मजदूर संगठनों का सदैव याद रखने वाला इतिहास रहा है जो कि सन 1861 में कानपुर को पहली सूती मिल एल्गिन कॉटन एंड स्पिनिंग कं. की स्थापना के साथ ही शुरू हो गया था तत्पश्चात सन 1891 का फैक्ट्री एक्ट बना और लगभग सन 1918 के आस-पास मजदूर सभा का आयोजन होने लगा था जो सन 1919 में कानपुर में प्रथम-हड़ताल, कानपुर में प्रथम मजदूर संगठन, भारतीय मजदूर संघ का गठन, तथा भारतीय मजदूर संघ का शून्य से शिखर तक की यात्रा का साक्ष्य अपना कानपुर महानगर बना।

कार्यक्रम में कानपुर पंचायत द्वारा प्रकाशित कानपुर पर्यटन डायरी तथा कानपुर पर्यटन लूडो का विमोचन किया गया तथा डायरी एवं लूडो के प्रकाशन में विशेष सहयोग करने वाले बन्धुओं को प्रतीकात्मक डायरी प्रदान की गयी। लूडो का वितरण समस्त अभ्यागतों के बीच किया गया।

इस अवसर पर डा0 ए0एस0 प्रसाद, इतिहास विद् श्री अविनाश मिश्रा, आईआईए के श्री सुनील वैश्य, वरिष्ठ पत्रकार डा0 रमेश वर्मा, तथा शिवशरन त्रिपाठी, एवं कानपुर इतिहास के ज्ञाता श्री मनोज कपूर जी के द्वारा

कानपुर के इतिहास एवं वर्तमान परिस्थितियों पर प्रकाश डाला गया। सभी वक्ताओं ने कहा कि कानपुर की संस्कृति एवं इतिहास अत्यन्त पुराना है। यहां पर विश्व का सबसे पुराना ईटों का मंदिर तथा इष्टिका कला के अनेकों पुरातात्विक धरोहरों के साथ पौराणिक ब्रम्हावर्त (बिठूर), मूसा नगर, जाजमऊ, जैसे क्षेत्र हैं। इसके साथ ही कानपुर नगर एवं उसके आस-पास गंगा एवं यमुना तट के साथ अनेकों पयर्टन स्थल विद्यमान है। जो हमारे लिए गौरव का विषय है।

जनमानस में इसका प्रचार प्रसार न होने के कारण कानपुर को जो स्थान प्राप्त होना चाहिए वह नहीं प्राप्त हो रहा है। अतएव कानपुर पंचायत द्वारा इस दिशा में की जा रही पहल प्रशंसनीय है।

इस अवसर पर कानपुर नगर के निर्माण एवं विकास में योगदान करने वाले महानुभावों के प्रति सबने आभार प्रकट किया तथा अपेक्षा प्रकट की कि कानपुर के औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्र को भी प्रचारित करके कानपुर की तमाम समस्यायें दूर की जाये। इसमें समाज तथा सरकार दोनों का सहयोग वांछनीय है।

कार्यक्रम का संचालन श्री धर्म प्रकाश गुप्त द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन सहसंयोजक श्री सुदीप गोयनका द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्री सुनील खन्ना, श्री विजय पांडेय, श्री प्रेम मनोहर गुप्ता, डॉ. अवध दुबे, श्री रूफी वाकी, श्री शेष नारायण त्रिवेदी (पप्पू), श्री संजय त्रिवेदी, मर्चेंट्स चेम्बर के सचिव महेंद्र नाथ मोदी, मयूर ग्रुप, कानपुर प्लास्टि पैक, अशोक मसाला, लाला पुरूषोत्तम दास ज्वैलर्स, गोल्डी मसाले, एम0के0यू0 ग्रुप, कानपुर हाइवे सिटी, नेट प्लास्ट, बावर्ची समूह तथा आई0आईए0 के प्रतिनिधियों सहित अनेकों गणमान्य बन्धु उपस्थित रहे।

धन्यवाद